(3) कॉफी बोर्ड को इस बात के निर्देश दे कि वह कॉफी की कुछ निश्चित मात्रा खरीदकर अपनी दुकानों की मार्फत उपलब्ध कराए । इन सुझावों की जांच गुणावगुण आधार पर की जाएगी ।

विदेशी व्यापार संतुलन

* 176. **श्री राघवजी :**

श्री चिमनभाई हरिभाई शुक्ल :

क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1994-95 के लिए विदेशी व्यापार संतुलन के क्या अनुमान है ;

(ख) विदेशी व्यापार के कब तक भारत के पक्ष में होने की संभावना है ; और

(ग) सरकार इस संबंध में क्या कदम उठाने जा रही है ?

वाणिज्य मंत्री (श्री प्रणव मुखर्जी) : (क) अप्रैल-अक्तूबर, 1994 की अवधि (वह अवधि जिसके लिए व्यापार-आंकड़े उपलब्ध हैं) के दौरान भारत का व्यापार सन्तुलन घटा, 1394.90 मिलियन अमरीकी डालर मूल्य का रहा क्योंकि निर्यात की तुलना में आयात अधिक हुआ । इस वर्ष के अन्त तक 2000—2500 मिलियन अमरीकी डालर का नकारात्मक व्यापार सन्तुलन हो सकता है ।

(ख) निर्यात तथा आयात भिन्न-भिन्न कारणों द्वारा शासित होते हैं और भारत का वार्षिक आयात आमतौर पर निर्यात की तुलना में अधिक होता है । इसमें 1972-73 और 1976-77 के वर्ष अपवाद-स्वरूप हैं जब आयात की तुलना में निर्यात अधिक हुआ था योजना लक्ष्यों के अनुसार, व्यापार सन्तुलन में घाटे को सतत रूप से कम करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं ।

(ग) आयात इसलिए करने पड़ते हैं क्योंकि उनसे स्वदेशी खपत और निर्यात उत्पादन के लिए अभिप्रेत माल के उत्पादन हेतु आवश्यक अन्तर्निविष्ट साधनों की जरूरतें पूरी करनी होती हैं । निर्यात बढ़ाने के लिए सरकार ने व्यापार के उदारीकरण हेतु बड़े-बड़े उपाय किए हैं जिनमें ये शामिल हैं :— आयात से बड़े निर्यात में लोचशीलता, आयात लाइसेंसिंग में कमी करना, नीति एवं कार्यविधियों का सरलीकरण करके कार्यविधि संबंधी बाधाओं को समाप्त करना, और निर्यात की निषेधात्मक सूची में काट-छांट करना । निर्यात संवर्धन एक सतत चलने वाली प्रक्रिया है और यह सरकार और व्यापार एवं उद्योग क्षेत्रों के बीच सहयोग के प्रयास से किया जाता है । निर्यात बढ़ाने के लिए व्यापार एवं उद्योग क्षेत्रों के परामर्श से सभी संभव उपाय किए जाते हैं । निर्यात संवर्धन में राज्यों को भी ईपीआईपी जैसी योजनाओं के जरिए अधिकाधिक रूप से शामिल किया जा रहा है ।

कोयले के भंडार की खोज

*177. **श्री अजीत जोगी :** क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान क्षेत्रीय और व्यापक स्तर पर कोयले के भंडारों का पता लगाने के लिए किए गए प्रयासों का ब्यौरा क्या है ;

(ख) क्या उक्त अवधि के दौरान व्यापक स्तर पर खनन करके कोयला खनन परियोजनाएं शुरु करने के संबंध में कोई व्यावहारिक अध्ययन किया गया है या कोई परियोजना रिपोर्ट तयार की गई है ;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ;

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ; और

(ङ) क्या साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि०, बिलासपुर की भी पेन्ड्रा के पास बीजाडांड में नई खदान खोलने की योजना है, यदि हां, तो उस पर कार्य कब आरंभ होगा ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री पी० ए० संगमा) : (क) 1-1-1991 से 1-1-1994 की 3 वर्ष की अवधि के दौरान विस्थापित/मूल्यांकित किए गए कोयले के अतिरिक्त भण्डारों का श्रेणीवार ब्यौरा, जोकि देश के विभिन्न अभिकरणों द्वारा किए गए क्षेत्रीय तथा विस्तृत अन्वेषणों पर आधारित हैं, नीचे दिया गया है :—

अतिरिक्त भंडार	मिलियन टन में
प्रमाणित	(+) 9063.85 (विस्तृत ड्रिलिंग)
विनिर्दिष्ट	(+) 2056.97 (क्षेत्रीय ड्रिलिंग)
अनुमानित	(—) 6588.10 (विनिर्दिष्ट तथा प्रमाणित श्रेणियों में स्थानांतरित किए जाने के कारण)
निवल वृद्धि	4532.72